3333. [*Transferred to 24th August, 1993*].

खेसरी दाल की खेती

3334. **श्री दिलीप सिंह जूदेव** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में, राज्य-वार, कितने क्षेत्र में खेसरी दाल की खेती होती है ;

(ख) किन-किन राज्यों में इसकी खेती और इसके उत्पादन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और यह प्रतिबन्ध कब से लगाया गया है ;

(ग) किन-किन राज्यों में इस प्रतिबंध को उठा लिया गया हैं, और कब से ; और

(घ) इस दाल से विषैले एवं बीमारी उत्पन्न करने वाले तत्वों को समाप्त करके इसे पूरी तरह से मानव उपयोग के लिए सुरक्षित बनाए जाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों और अनुसंधानों की सफलता का ब्यौरा क्या है ?

गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री और कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) खेसरी दाल के तहत आने वाले क्षेत्र का राज्यवार ब्यौरा निम्न प्रकार है :

1991–92

राज्य	क्षेत्र (हजार हेक्टेयर में)
बिहार . .	276.0
मध्य प्रदेश . .	510.5
महाराष्ट्र . .	19.4
पश्चिम बंगाल . .	44.8
कुल :	850.7

(ख) और (ग) असम और उत्तर प्रदेश राज्यों ने अस्सी के दशक में इस दलहनी फसल की खेती पर रोक लगा दी है । किसी भी राज्य ने इस प्रतिबंध को नहीं हटाया है ।

(घ) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में लैथिरोजन आक्सालाइला पगनेटा डाइएमिनों प्रोजीनिक एमिड (ओ०डी०ए०पी०) रहित किस्मों के विकास पर अनुसंधान कार्य चल रहा है । अब तक ओ०डी०ए०पी० की अपेक्षाकृत कम मात्रा वाली लैथिरस की कोई भी किस्म विकसित नहीं की गई है ।

Seedless variety of mango

3335. **SHRI SATISH PRADHAN**: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Agriculture Scientist of Konkan Krishi Vidyapeeth have developed a new variety of Seedless mango, the first of its kind in the world;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the proposed plan for horticultural development in the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MININSTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR) : (a) Yes, Sir.

(b) The seedless mango "SINDHU" has been developed by back crossing variety Ratna with Alphonso.

(c) Variety Sindhu will be tested under All India Coordinated Research Project on sub-tropical fruits at different centres in the country for its performance before it could be recommended for commercial exploitation.